TEACHER'S HANDBOOK

हिंदी व्याकरण–4

उत्तर पुस्तिका

FRANKLIN

सृष्टि हिन्दी व्याकरण-4

PART - 4

Ch-1 (भाषा , लिपि तथा व्याकरण)

भाषा को दो भागों में विभाजित किया गया है- लिखित और मौखिक।
जब हम अपने विचारों या बातों को इशारे के माध्यम से दूसरों तक पहुंचाते है तो वह सांकेतिक भाषा कहलाती है।

1. क- भाषा वह माध्यम है जब हम अपनी बातों और विचारों को दूसरों तक पहुंचते है और उन्हें स्वयं समझते है।
   ख- जब हम अपनी बात को लिखकर व्यक्त करते है और दूसरा व्यक्ति पढ़कर समझता है तो वह लिखित भाषा कहलाती है।
2. सुंनना, बोलना, पढ़ना
3. क- बांग्ला ख- अंग्रेजी ग- राजभाषा घ- सांकेतिक
4. क- व्याकरण ख- 22 ग- प्रादेशिक 5- रोमन लिपि 6- Do it yourself.

Ch-2 (वर्ण , वर्णमाला और मात्राएँ)

क- स्वरों के साथ जब व्यंजनों को मिलाया जाता तो वर्ण बनता है।
ख- 52

1. क- व्यंजनों के साथ लगाए जाने वाले स्वरों को मात्रा कहते है।
   ख- ऐसे वर्ण जिन्हे उच्चारण के लिए अन्य वर्ण की सहायता ली जाती है उन्हें व्यंजन खा जाता है।
2. क- सही ख- सही ग- गलत
3. क- 33 ख- वर्णमाला ग- वर्ण
4. क्ष,त्र,ज्ञ,श्र
5. Do it yourself.

Ch-3 (शब्द और वाक्य)

क- वर्णमाला।
ख- जब निरर्थक शब्द को व्याकरणिक रूप से शुद्ध रूप में लिखा जाये तो वह सार्थक शब्द बन जाता है।
ग- उदेश्य में संज्ञा के विषय में कुछ कहा जाता है और विधेय में उदेश्य के विषय में कहा जाता है।

1. क- शलजम ख- फुटबॉल ग- सरकस घ- चारपाई ड- टमाटर
   ख- उदेश्य में संज्ञा के विषय में कुछ कहा जाता है और विधेय में उदेश्य के विषय में कहा जाता है।
2. क- वर्णो के सार्थक समूह को ख- 2
3. क- हमारी परीक्षाएं शुरू होने वाली है ।
   ख- मैं शाम को चाचा जी के घर जाऊंगा।
   ग- आज ज़ोर की बारिश आएगी। घ- मुझे बहुत तेज़ की भूक लगी है।
   ड- मैदान में चूहें दौड़ लगा रहे है।

4. क- विकास उदेश्य, पढ़ता विधेय ख- लोमड़ी उदेश्य, जानवर विधेय
ग- गाय उदेश्य, देती विधेय घ- राणा प्रताप उदेश्य, दौड़ता विधेय
5. क- सार्थक, वाक्य ख- 2 ग- सार्थक घ- कई
6. Do it yourself. 7- Do it yourself.

Ch-4 (संज्ञा)

क- वे शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव आदि को प्रकट करे संज्ञा शब्द कहलाते है ।

ख- संज्ञा के तीन भेद होते है- व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक संज्ञा।

ग- भाववाचक संज्ञा में किसी के गुण-दोषो को बताया जाता है।

1. क- व्यक्तिवाचक संज्ञा- लालकिला, ताजमहल जातिवाचक संज्ञा- सैनिक, वकील भाववाचक संज्ञा- मित्रता,बुढ़ापा।
ख- संज्ञा।
ग- ऐसे शब्द जो किसी प्राणी, स्थान, वस्तु आदि की पूरी जाति का बोध करवाए वह जातिवाचक संज्ञा है।
2. क- व्यक्तिवाचक संज्ञा- रामायण, बाइबल, हिमालय, चन्द्रमा जातिवाचक संज्ञा- आदमी, बाजार, पुस्तक, शेर, भाववाचक संज्ञा- हरियाली, शीतलता, व्यक्तित्व, सज्जनता।
3. क- संज्ञा के ख- जातिवाचक
4. क- चुटकुला (जातिवाचक) हसी (भाववाचक) ख-मंडप (जातिवाचक) सुंदरता(भाववाचक) ग- हाथियों का झुण्ड (जातिवाचक)
5. क- निजत्व ख-शत्रुता ग- चुराना
6. NOUN 7- Do it yourself.

Ch-5 (वचन)

क- शब्द का वह रूप जो संख्या का ज्ञान करवाए वचन कहलाता है।

ख-एक संख्या का बोध करवाने वाले शब्द एकवचन और अनेक का बोध करवाने वाले शब्द बहुवचन कहलाता है।

ग- एकवचन।

घ- आदर देने के लिए एकवचन के साथ बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

1. क- वचन। ख-हस्ताक्षर, आँसू।
ग- हस्ताक्षर- अधिकारी जान अपने हस्ताक्षर कर आवेदनों को स्वीकार करते है।
आँसू- कभी किसी की आंख में आँसू आने का कारण हमे नहीं बनंना चाहिए।
प्राण- हमें देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने में संकोच नहीं करा चाहिए।
बाल- स्कूल में बाल संघ बनाया गया है।
2. क- दवाई ख- साधुओं ग- पत्ता घ- कथाएं ड- हाथियों
च- खिलौना छ- बगीचें ज- वधुओं
3-. क- वृक्ष ख- बोली ग- लड़कियों घ- बेटे

4. क- दो सेवक कार्य कर रहे हैं। ख-मालिक ने कुत्ते को पाला।
ग-राहुल ने तीन रोटियां खायी। घ- दो लड़के पुस्तक पढ़रहे है।
ड- पिताजी गए है।
5. क- संख्या ख- सदैव बहुवचन ग- सदैव बहुवचन घ- बहुवचन
6. सड़क,दवाई, कलम,वधु, कविता, कहानी, पुरुष (एकवचन) मटके, बिलियाँ, कथाएं,कन्याएं, पुस्तकें (बहुवचन)
7. क- प्राण ख- हस्ताक्षर ग- मंगलमय घ- ताले
8. संख्या की ओर 9- Do it yourself.

Ch-6 (लिंग)

क- वे शब्द जो स्त्रीजाति एवं पुरुष जाति का बोध करवाए उन्हें लिंग कहते है।

ख-लिंग दो प्रकार के होते है- स्त्रीलिंग ओर पुल्लिंग।

1. क-नूतिका नृत्य कर रही है। ख-गायक ने मधुर गीत्त गया।
ग-पंडिताइन ने पूजा करवाई। घ- बिल्ला सारा ढूढ़ पी गया।
2. क- भगतायन ख- मालिक ग- दासी घ- देव ड- महारानी च- महोदय
3. क- भाई ख- शेरनी ग- माली घ- मोर
4. क- पुल्लिंग ख- नर,मादा ग- स्त्रीलिंग घ- प्रयोग

Ch-7 (सर्वनाम)

क- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते है।

ख-6। ग-स्वयं, खुद,अपने, आप।

घ- दो वाक्यों के दो खण्डों को मिलाने के लिए सम्बन्धवाचक सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

1. क- पुरुषवाचक सर्वनाम- बोलने, सुनने ओर अन्य व्यक्तियों के लिए शब्दों का प्रयोग इसमें होता है।
ख- निश्चयवाचक सर्वनाम- व्यक्ति, वस्तु की निश्चितिता बताने के लिए।
ग-अनिश्चयवाचक सर्वनाम- व्यक्ति, वस्तु की अनिश्चितिता बताने के लिए।
घ- प्रश्नवाचक सर्वनाम- संज्ञा शब्दों में प्रश्न पूछने के लिए।
ड- निजवाचक सर्वनाम- जिसमें व्यक्ति अपने विषय में बात करे।
च- सम्बन्धवाचक सर्वनाम- जसिमें दो वाक्यों के दो खंडों को आपस में जोड़कर प्रयोग में लाया जाता हो।
2. क- पुरुषवाचक सर्वनाम- बोलने, सुनने ओर अन्य व्यक्तियों के लिए शब्दों का प्रयोग इसमें होता है।
ख- प्रश्नवाचक ।
ग- अनिशयवाचक सर्वनाम में किसी व्यक्ति वस्तु की निश्चितता का पता नहीं होता।
घ- वह गाना गा रही है।

3. क- उसके ख- किसी ग- कुछ घ- स्वयं ड- मैं
4. क- सर्वनाम ख- 6 ग- प्रशनवाचक घ- अनिश्चयवाचक
ड- निजवाचक

4- Do it yourself. 5- Do it yourself.

Ch-8 (विशेषण)

क- संज्ञा ओर सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
ख- विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द विशेष्य कहलाते हैं।
ग- गुणवाचक विशेषण- पिली, नया संख्यावाचक विशेषण- चार, कई

1. क- वे शब्द जो विशेषण में संज्ञा शब्दों से पहले आकर विशेषता बताते सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।
ख- जिन संज्ञा/सर्वनाम शब्दों में परिमाण अथवा मात्रा के अनुपात का बोध हो वह परिमाणवाचक सर्वनाम कहलाता है।
ग- संख्यावाचक विशेषण में संज्ञा की संख्या का बोध होता है जबकि परिमाणवाचक में मात्रा के अनुपात का।
2. क- सुंदर ख- तीन ग- ऊँचा घ- दो मीटर ड- ज़मीन
3. क- सार्वनामिक- वह कुत्ता, यह पुस्तक ख- परिमाणवाचक- थोड़ा, ज्यादा
ग- संख्यावाचक- दस रुमाल, पांच केले, कुछ रुपये, पांच मीटर रिबन
घ- गुणवाचक - चंचल स्वभाव, निडर
4. क- गीले, कपड़े ख- स्वादिष्ट, पकवान ग- गर्मी, पहाड़ी स्थान
घ- अच्छी, आदत ड- दो मीटर, धागा
5. Do it yourself. 6- Do it yourself.

Ch-9 (क्रिया)

क- जो शब्द कार्य का बोध करवाए उन्हें क्रिया कहते है।

ख-दो- अकर्मक और सकर्मक।

ग- हाँ! राधा खेल रही है , मोहन पढ़ रहा है।

1. क- अकर्मक- मेरा फूल तोड़ रही है सकर्मक- पक्षी उड़ रहे है।
ख-कर्म द्वारा किसी कार्य का बोध होता है। वाक्य में क्रिया न होने पर वाक्य सार्थक नहीं रहता है जबकि कर्म के बिना भी वाक्य सार्थक होता है
ग-क्रिया की रचना संज्ञा से, धातु से और विशेषण से होती है।
घ-सकर्मक क्रिया करम प्रधान होती है जबकि अकर्मक क्रिया कर्म प्रधान नहीं होती
2. क- क्रिया शब्द ख- 2 ग- क्रिया के बिना घ-उठ जाता हूँ
3. क- मचाया ख- करनी ग- खेलता है घ- होंगी
4. क- मैंने भारत और इंग्लैंड का मैच देखा। ख- दुकानें खुल गयी होंगी।
ग- कुम्हार मिटटी के बर्तन बना रहा है। घ- हवा बहुत तेज़ चल रही है।
5. Do it yourself. 6- Do it yourself.

Ch-10 (काल और अव्यय)

क- जिन शब्दों से कार्य के होने का समय ज्ञात हो उसे काल कहते हैं।
ख- ऐसे शब्द जिनमें लिंग,वचन, कर्क आदि के कारण कुछ परिवर्तन न हो उन्हें अव्वय कहते है

1. क- मैंने भोजन कर लिया है। ख- दीपांश वाराणसी जायेगा।
ग- रेशमा निबंध लिख रही है। घ- साहिल साईकिल से गिर चुका है।
ड- महिला फिल्म देखेंगी।
2. Do it yourself. 3. Do it yourself.

Ch-11 (शब्द-भंडार)

क-पर्यायवाची।

ख- एक-दूसरे शब्दों का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते है।

ग- अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले एक शब्द को "अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते है"।

1. क- खंजन ख- खुशबू ग- सम्बल घ- पियूष ड-मंगल
2. क-पवन बहुत तेज़ चल रही है। ख- सरोवर के तीरि लोग बैठे है।
ग- अम्मा और पुत्री दोनों बाजार जाएँगी। घ- प्रातः अचानक मेघ छा गए।
ड- अम्बर में विहग उड़ रहे है।
3. क- प्रदान ख- अभाग्य ग- वीर घ- निरर्थक ड- विशाल
च- पराजय
4. क- दुराचार ख- प्रकाश ग- अपवित्र घ- अंत ड- निराशा
च- अपमान छ-अनेकता ज- निंदा झ- शत्रु - गरीब
5. क- लेखिका ख- शहरी ग- ग्रामीण घ- अमूल्य ड- मांसाहारी
6. क- कृतघ्न ख- सत्यवादी ग- नास्तिक घ- शताब्दी
ड- आकर च- चित्रकार
7. क-जिसकी तुलना न की जा सके ख- जो केवल शाक-सब्ज़ी खता हो
ग- जिसके माता-पिता न हो घ- सौ वर्ष में एक बार होने वाला
ड- सुनने वाला च- दूर की सोचने वाला छ- जिसे कुछ पता न हो
ज- जो कभी न मरे झ- जो क्षमा योग्य न हो - जो सब जगह हो
ट- किसी पक्ष में होनेवाला ठ- जिसके भाग्य अच्छे हो
8. क- अभिलाषा ख- बुराई और राक्षस ग-जलचर 9- Do it yourself.

Ch-12 (विराम चिह्न)

क- लिखते समय रुकने के लिए हम जिन चिन्हों का प्रयोग करते है उन्हें विराम चिन्ह कहते है लिखते समय अर्थ और भाव की स्पष्टता के लिए जिन विशेष चिन्हों का प्रयोग किया जाता है उन्हें विराम चिन्ह कहते है।

ख- लिखते समय अर्थ और भाव की स्पष्टता के लिए जिन विशेष चिन्हों का प्रयोग किया जाता है।

1. क- तुम खा जा रहे हो? हाथी धीरि-धीरि चल रहा है।
ख- पूर्णविराम का अर्थ है पूरी तरह रुकना। जब हम वाक्य को समापत करना चाहे तो विराम चिन्ह का प्रयोग करते है।
2. क- प्रशनवाचक ख- विस्मयबोधक ग-रुक जाना
घ- वाक्य के अंत में
3. क- , ख- ? ग-! घ-। ड -
4. Do it yourself. 5- Do it yourself.

Ch-13 (मुहावरे)

क- विशेष अर्थ। ख-वाक्य में।

1. क- वह वाक्यांश जो सामान्य अर्थ न देकर विशेष अर्थ प्रदान करे मुहावरा कहलाता है।
   ख- नहीं। ग- भाषा प्रभावशाली बन जाति है।

2. क- दाल में कुछ काला है ख- नो- दो ग्यारह ग- चार चाँद लगा दिए घ- होश उड़ गए।
3. क-गुस्सा होना - रोहन ने खिलौना तोड़ दिया तो उसकी आंटी उसे आँखें दिखाने लगी।
   ख- भाग जाना- पुलिस को देखते ही चोर नो- दो ग्यारह ।
   ग- चुगली करना- मीणा दिनभर रमेश के विषय में सोहन के कान भरती रहती है ।
   घ- जान बच जाना - सीमा गाड़ी के नीचे आने से बाल-बाल बच गयी ।
4. क- कुछ काम न करना ख- बहुत डरजाना ग- घबरा जाना
   घ- शाबाशी देना ड- बहुत मेहनत करना
5. क- आँखें दिखाना ख- हाथ-पाँव फूलना ग-कान भरना
   घ- आसमान सिर पर उठाना ड- कलेजा मुँह को आना
6. Do it yourself.
7. क-मेरी पीठ थपथपाई ख- मेरी आंख लग गयी
   ग- मेरे पेट में चूहें कूदने लगे घ- उसका कलेजा मुँह को आ गया

Ch-14 (शब्द-भंडार)

1. क- भाषा अध्ययन का आधार है । ख- देवनागरी ।
   ग-भाषा और लिपि को व्याकरण का अभिन अंग मन जाता है।
   घ- मनुष्य की उनत्ति और विकास यात्रा का ज्ञान होता है
2. क- धार्मिकता और राष्ट्रीयता के आधार पर मनाये जाते है ।
   ख- देश की एकता और अखंडता को मजबूत करना ।
   ग-बसंत पंचमी।
   घ- राष्ट्र भक्ति, त्याग, बलिदान और देश प्रेम की भावना।

Chapter 15 -Do it yourself. **Chapter 16**- Do it yourself.
Chapter 17- Do it yourself. **Chapter 18**- Do it yourself.
Chapter 19- Do it yourself. **Chapter 20**- Do it yourself.

Ch-21 (विराम चिह्न)

1. क- शब्द के सही उच्चारण से ही उसकी वर्तनी की अशुद्धियों को पहचाना जा सकता है।
   ख- मैंने स्वादिष्ट मीठा आम खाया।
   ग-वर्तनी के नियमों को ध्यान में रखकर शुद्ध शब्द लिखने चाहिए।

घ- क्रिया को लिंग,वचन के अनुसार न बदलना , मात्रा का गलत प्रयोग

2. क- प्राणी ख- स्कूल ग- संतरा

3 क- उदहारण ख- कवि ग- परीक्षा घ- विद्यार्थी
ड- कृपया च- त्यौहार

4. क- लकड़ी ख- आशीर्वाद

(अभ्यास प्रश्न पत्र-1)

1. क- भाषा एक माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों और सुझावों को लिखकर और बोलकर अभिव्यक्त करते है।
ख- संज्ञा शब्दों को सर्वनाम कहा जाता है।
ग-वे शब्द जो संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाते है।
घ- वे शब्द जो संज्ञा एवं सर्वनाम की विशेषता को बताते है विशेषण कहलाते है।
ड- वाक्य में क्रिया का प्रमुख स्थान होता है।
च- वे शब्द जो स्त्रीजाति एवं पुरुष जाति का बोध करवाए लिंग कहलाता है।
स्टर्लिंग और पुल्लिंग इसके दो भेद है।
2. क- लिखित और मौखिक ख- देवनागरी ग- सार्थक घ- तीन
ड-सर्वनाम च- वाक्य
3. क- रक्षिता बाजार जा रही है। ख- हम दौड़ते-दौड़ते थक गए।
ग- देवांशी ने कर खरीदी है। घ- रात में आकाश में तारें चमकते है।
ड- सैनिक देश की सेवा करते है।
4. क- सही ख- सही ग- गलत घ- सही ड-गलत
च- गलत
5. क- मिस्सी ख- 11 ग- भाषा घ- नटखट ड-आम
च- कक्षा
6. क- जाएगी ख- व्यक्तिवाचक ग- बहुवचन घ-अंग्रेजी
ड-फ़ारसी
7. क- व्याकरण ख- संस्कृत ग- संयुक्त व्यंजन घ- क्रिया
ड- विशेषण

(अभ्यास प्रश्न पत्र-2)

1. क- विनोद को खाना खिलाओ। ख- यह गाय का असली दूध है।
2. क- संस्कार ख- शिक्षा ग- अध्भुत घ- दूध
3. क- माँ लड्डू बनाएंगी। ख- जादूगर तमाशा दिखा रहा है।
ग- कार्यक्रम में सब नाच चुके है।
4. क-परिश्रम ख- परिश्रम
5. क-आलसी, असभ्य ख- सवेरे , प्रातः ग- सत्यवादी
6. Do it yourself. 7- Do it yourself. 8- Do it yourself.
9. क- जीवन की सफलता परिश्रम में निहित है।
ख- मनुष्य ने श्रेष्ठ जीवन परिश्रम से प्राप्त किया है।
ग- परिश्रम हमें सफलता देता है।
घ- परिश्रम का महत्व।
10. Do it yourself.